SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): Special Mentions. Dr. Kirodi Lal Meena.

Demand to declare the Mangarh Dham of Rajasthan a National Memorial*

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान) : महोदय, ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानगढ़ धाम राजस्थान राज्य की तहसील आमलिया (बांसवाड़ा) में स्थित है। वहां पर राजस्थान, गुजरात एवं मध्य प्रदेश राज्यों की सीमाओं का संगम है। स्वामी दयानन्द सरस्वती के पथ पर चलने वाले आदिवासियों के गोविन्द गुरु के आह्वान पर इस स्थान पर हजारों की तादाद में आदिवासी भारत के स्वतंत्रता संग्राम एवं राष्ट्र रक्षा के लिए अपना योगदान देने के लिए एकत्रित हुए थे। उस समय आदिवासियों ने महिलाओं का सम्मान करने, शराब का सेवन न करने, पेड़-पौधे लगाने, वनों का संरक्षण करने, दया-धर्म को मजबूत करने तथा जीवों के प्रति अहिंसा का भाव रखने की कसम ली थी, किन्तु बांसवाड़ा के शासक एवं अंग्रेजों ने इसे अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आन्दोलन कर आदिवासियों का राज्य स्थापित करना माना। वहां पर हजारों की संख्या में आदिवासी महिला, पुरुष एवं बच्चे मौजूद थे, जिन पर 17 नवम्बर, 1913 को अंग्रेजी फौज एवं रियासती फौज ने मिल कर मशीनगनों से गोलियां बरसाईं, जिसमें 1500 बेगुनाह आदिवासी मौके पर मारे गए।

महोदय, मानगढ़ हत्याकांड जलियांवाला अत्याकांड से भी ज्यादा वीभत्सकारी था। सर्वविदित है कि आदिवासी समुदाय का विवरण सिन्धु सभ्यता, रामायण, महाभारत, वेद-पुराण एवं सभी प्राचीन ग्रंथों में किया गया है। आदिवासी समुदाय ने ही सनातन भारतीय परम्परा, संस्कृति, रीति-रिवाज, धर्म, सामाजिक मूल्यों को शाश्वत बनाए रखा है। ऐसे लोगों के राष्ट्र रक्षा के लिए किए गए इस बलिदान का सम्मान करने की दृष्टि से मैं मांग करता हूं कि जलियांवाला बाग की तर्ज पर मानगढ़ धाम को आवश्यक रूप से राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाए।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान) : महोदय, मैं स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री परशोत्तम रुपाला) : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री ओम प्रकाश माथुर (राजस्थान) : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री हर्षवर्धन सिंह डुंगरपुर (राजस्थान) : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विशेष उल्लेख के साथ संबद्ध करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): Shri Motilal Vora, not present.

---

* Laid on the Table